QB365 - Question Bank Software

SET-2

Series SSO

कोड नं.
Code No. **58/2**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **12** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **29** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains **12** printed pages.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **29** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

# अर्थशास्त्र

# ECONOMICS

*निर्धारित समय : 3 घण्टे* | *अधिकतम अंक : 100*

*Time allowed : 3 hours* | *Maximum Marks : 100*


QB365 - Question Bank Software

**सामान्य निर्देश :**

(i) दोनों खण्डों के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(ii) प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

(iii) प्रश्न संख्या **1 – 3** तथा **15 – 19** अति लघुत्तरात्मक प्रश्न हैं, जिनमें प्रत्येक का **1** अंक है । इनका प्रत्येक का उत्तर **एक वाक्य** में ही अपेक्षित है ।

(iv) प्रश्न संख्या **4 – 8** और **20 – 22** लघुत्तरात्मक प्रश्न हैं, जिनमें प्रत्येक के **3** अंक हैं । प्रत्येक का उत्तर सामान्यतः **60** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।

(v) प्रश्न संख्या **9 – 10** और **23 – 25** भी लघुत्तरात्मक प्रश्न हैं, जिनमें प्रत्येक के **4** अंक हैं । प्रत्येक का उत्तर सामान्यतः **70** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।

(vi) प्रश्न संख्या **11 – 14** और **26 – 29** दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न हैं, जिनमें प्रत्येक के **6** अंक हैं । प्रत्येक का उत्तर सामान्यतः **100** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।

(vii) उत्तर संक्षिप्त तथा तथ्यात्मक होने चाहिए तथा यथासंभव ऊपर दी गई शब्द सीमा के अंतर्गत ही दिए जाने चाहिए ।

**General Instructions :**

(i) ***All*** *questions in both the sections are compulsory.*

(ii) *Marks for questions are indicated against each question.*

(iii) *Questions No.* ***1 – 3*** *and* ***15 – 19*** *are very short-answer questions carrying* ***1*** *mark each. They are required to be answered in* ***one sentence*** *each.*

(iv) *Questions No.* ***4 – 8*** *and* ***20 – 22*** *are short-answer questions carrying* ***3*** *marks each. Answers to them should normally not exceed* ***60*** *words each.*

(v) *Questions No.* ***9 – 10*** *and* ***23 – 25*** *are also short-answer questions carrying* ***4*** *marks each. Answers to them should normally not exceed* ***70*** *words each.*

(vi) *Questions No.* ***11 – 14*** *and* ***26 – 29*** *are long-answer questions carrying* ***6*** *marks each. Answers to them should normally not exceed* ***100*** *words each.*

(vii) *Answers should be brief and to the point and the above word limits should be adhered to as far as possible.*


QB365 - Question Bank Software

QB365 - Question Bank Software

खण्ड अ

**SECTION A**

**1.** यदि सीमांत प्रतिस्थापन दर निरंतर बढ़ रही हो, तो अनधिमान वक्र ऐसा होगा : (सही विकल्प चुनिए) *1*

(अ) नीचे की ओर ढलवाँ उत्तल

(ब) नीचे की ओर ढलवाँ अवतल

(स) नीचे की ओर ढलवाँ सीधी रेखा

(द) ऊपर की ओर ढलवाँ उत्तल

If Marginal Rate of Substitution is increasing throughout, the Indifference Curve will be : (Choose the correct alternative)

(a) Downward sloping convex

(b) Downward sloping concave

(c) Downward sloping straight line

(d) Upward sloping convex

**2.** बजट रेखा की परिभाषा दीजिए। *1*

Define budget line.

**3.** यदि वस्तु X की कीमत गिरने से, वस्तु Y की माँग बढ़ती है, तो दोनों वस्तुएँ परस्पर ये हैं : (सही विकल्प चुनिए) *1*

(अ) प्रतिस्थापी

(ब) पूरक

(स) संबंधित नहीं

(द) प्रतियोगी

If due to fall in the price of good X, demand for good Y rises, the two goods are : (Choose the correct alternative)

(a) Substitutes

(b) Complements

(c) Not related

(d) Competitive


QB365 - Question Bank Software

QB365 - Question Bank Software

**4.** पूर्ति की कीमत लोच के माप के साथ जुड़े 'धन-चिह्न' (plus sign) की तुलना में एक सामान्य वस्तु की माँग की कीमत लोच के माप के साथ जुड़े 'ऋण-चिह्न' (minus sign) का महत्त्व समझाइए । *3*

Explain the significance of 'minus sign' attached to the measure of price elasticity of demand in case of a normal good, as compared to the 'plus sign' attached to the measure of price elasticity of supply.

**5.** कारण बताते हुए निम्नलिखित तालिका पर आधारित उत्पादन संभावना वक्र के आकार पर टिप्पणी कीजिए : *3*

| वस्तु X (इकाई) | वस्तु Y (इकाई) |
|---|---|
| 0 | 16 |
| 1 | 12 |
| 2 | 8 |
| 3 | 4 |
| 4 | 0 |

Giving reason comment on the shape of Production Possibilities Curve based on the following schedule :

| Good X (units) | Good Y (units) |
|---|---|
| 0 | 16 |
| 1 | 12 |
| 2 | 8 |
| 3 | 4 |
| 4 | 0 |

**6.** भारत के प्रधान मंत्री की विदेशी निवेशकों को "भारत में बनाइए" (Make in India) की अपील का भारत के उत्पादन संभावना वक्र पर क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है ? समझाइए ।

**अथवा**

बेरोज़गारी दूर करने के प्रयत्नों का अर्थव्यवस्था की उत्पादन क्षमता पर क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है ? समझाइए । *3*


QB365 - Question Bank Software

QB365 - Question Bank Software

What is likely to be the impact of "Make in India" appeal to the foreign investors by the Prime Minister of India, on the production possibilities frontier of India ? Explain.

**OR**

What is likely to be the impact of efforts towards reducing unemployment on the production potential of the economy ? Explain.

**7.** 'न्यूनतम कीमत' (निम्नतम कीमत निर्धारण) के एक वस्तु के बाज़ार पर क्या प्रभाव पड़ते हैं ? रेखाचित्र का प्रयोग कीजिए । *3*

What are the effects of 'price-floor' (minimum price ceiling) on the market of a good ? Use diagram.

**नोट :** *निम्नलिखित प्रश्न केवल **दृष्टिहीन परीक्षार्थियों** के लिए प्रश्न संख्या 7 के स्थान पर है ।*

**Note :** *The following question is for the **Blind Candidates** only in lieu of Q. No. 7.*

एक वस्तु के बाज़ार पर 'न्यूनतम कीमत' (निम्नतम कीमत निर्धारण) के प्रभाव समझाइए । *3*

Explain the effects of 'price-floor' (minimum price ceiling ) on the market of a good.

**8.** एक अल्पाधिकार बाज़ार में ग़ैर-कीमत प्रतियोगिता का तात्पर्य समझाइए । *3*

Explain the implication of non-price competition in an oligopoly market.

**9.** जैसे-जैसे एक वस्तु की अधिकाधिक इकाइयों का उत्पादन किया जाता है (अ) औसत अचल लागत और (ब) औसत परिवर्ती लागत का क्या व्यवहार रहता है ?

**अथवा**

औसत सम्प्राप्ति (आगम) की परिभाषा दीजिए । प्रमाणित कीजिए कि औसत सम्प्राप्ति और कीमत एकसमान होते हैं । *4*

What is the behaviour of (a) Average Fixed Cost and (b) Average Variable Cost as more and more units of a good are produced ?

**OR**

Define Average Revenue. Show that Average Revenue and Price are same.


QB365 - Question Bank Software

QB365 - Question Bank Software

**10.** एक उपभोक्ता एक वस्तु पर जिसकी कीमत ₹ 4 प्रति इकाई है, ₹ 100 व्यय करता है । जब इसकी कीमत 25 प्रतिशत कम हो जाती है, तो उपभोक्ता उस वस्तु पर ₹ 75 व्यय करता है । प्रतिशत विधि द्वारा माँग की कीमत लोच का परिकलन कीजिए । *4*

A consumer spends ₹ 100 on a good priced at ₹ 4 per unit. When its price falls by 25 percent, the consumer spends ₹ 75 on the good. Calculate the price elasticity of demand by the Percentage method.

**11.** एक वस्तु का बाज़ार संतुलन में है । वस्तु की आपूर्ति में "वृद्धि" हो जाती है । इस परिवर्तन के कारण होने वाले प्रभावों की शृंखला समझाइए । *6*

Market for a good is in equilibrium. The supply of the good "increases". Explain the chain of effects of this change.

**12.** समझाइए कि यदि संतुलन की शर्तें पूरी न हों तो एक उत्पादक संतुलन में क्यों नहीं होगा । *6*

Explain why will a producer not be in equilibrium if the conditions of equilibrium are not met.

**13.** सीमांत उत्पाद के रूप में परिवर्ती अनुपातों के नियम के विभिन्न चरण क्या हैं ? प्रत्येक चरण का कारण बताइए । रेखाचित्र का उपयोग कीजिए । *6*

What are the different phases in the Law of Variable Proportions in terms of marginal product ? Give reason behind each phase. Use diagram.

**नोट :** *निम्नलिखित प्रश्न केवल **दृष्टिहीन परीक्षार्थियों** के लिए प्रश्न संख्या 13 के स्थान पर है ।*

**Note :** *The following question is for the **Blind Candidates** only in lieu of Q. No. 13.*

परिवर्ती अनुपातों के नियम के विभिन्न चरणों को एक संख्यात्मक उदाहरण की सहायता से समझाइए । *6*

Explain with the help of a numerical example different phases in the Law of Variable Proportions.



QB365 - Question Bank Software

QB365 - Question Bank Software

**14.** एक उपभोक्ता केवल दो वस्तुओं X और Y का उपभोग करता है, दोनों की बाज़ार कीमत ₹ 2 प्रति इकाई है । यदि उपभोक्ता दोनों वस्तुओं का ऐसा संयोग चुनता है जिसमें सीमांत प्रतिस्थापन दर 2 के बराबर है, तो क्या उपभोक्ता संतुलन में है ? क्यों अथवा क्यों नहीं ? ऐसी स्थिति में एक विवेकी उपभोक्ता क्या करेगा ? समझाइए ।

**अथवा**

एक उपभोक्ता केवल दो वस्तुओं X और Y का उपभोग करता है, जिनकी कीमतें क्रमशः ₹ 5 और ₹ 4 हैं । यदि उपभोक्ता दोनों वस्तुओं का ऐसा संयोग चुनता है जिसमें X की सीमांत उपयोगिता 4 के बराबर और Y की सीमांत उपयोगिता 5 के बराबर है, तो क्या उपभोक्ता संतुलन में है ? क्यों अथवा क्यों नहीं ? ऐसी स्थिति में एक विवेकी उपभोक्ता क्या करेगा ? उपयोगिता विश्लेषण का उपयोग कीजिए । *6*

A consumer consumes only two goods X and Y, both priced at ₹ 2 per unit. If the consumer chooses a combination of the two goods with Marginal Rate of Substitution equal to 2, is the consumer in equilibrium ? Why or why not ? What will a rational consumer do in this situation ? Explain.

**OR**

A consumer consumes only two goods X and Y whose prices are ₹ 5 and ₹ 4 respectively. If the consumer chooses a combination of the two goods with marginal utility of X equal to 4 and that of Y equal to 5, is the consumer in equilibrium ? Why or why not ? What will a rational consumer do in this situation ? Use utility analysis.


QB365 - Question Bank Software

खण्ड ब

**SECTION B**

**15.** सरकारी बजट में प्राथमिक घाटा यह होता है : (सही विकल्प चुनिए) *1*

(अ) राजस्व व्यय – राजस्व प्राप्तियाँ

(ब) कुल व्यय – कुल प्राप्तियाँ

(स) राजस्व घाटा – ब्याज भुगतान

(द) राजकोषीय घाटा – ब्याज भुगतान

Primary deficit in a government budget is : (Choose the correct alternative)

(a) Revenue expenditure – Revenue receipts

(b) Total expenditure – Total receipts

(c) Revenue deficit – Interest payments

(d) Fiscal deficit – Interest payments

**16.** समष्टि अर्थशास्त्र में 'समग्र माँग' से क्या अभिप्राय है ? *1*

What is 'aggregate demand' in macroeconomics ?

**17.** यदि सीमांत उपभोग प्रवृत्ति = 1, गुणंक का मूल्य यह होगा : (सही विकल्प चुनिए) *1*

(अ) 0

(ब) 1

(स) 0 और 1 के बीच

(द) अनन्त

If MPC = 1, the value of multiplier is : (Choose the correct alternative)

(a) 0

(b) 1

(c) Between 0 and 1

(d) Infinity

QB365 - Question Bank Software

**18.** अन्य बातें पूर्ववत रहने पर, यदि किसी देश में विदेशी मुद्रा की बाज़ार कीमत गिरती है, तो राष्ट्रीय आय : (सही विकल्प चुनिए) *1*

(अ) में वृद्धि होने की संभावना होती है

(ब) में कमी आने की संभावना होती है

(स) वृद्धि होने की और कमी आने की संभावनाएँ होती हैं

(द) पर कोई प्रभाव नहीं होने की संभावना होती है

Other things remaining the same, when in a country the market price of foreign currency falls, national income is likely : (Choose the correct alternative)

(a) to rise

(b) to fall

(c) to rise or to fall

(d) to remain unaffected

**19.** प्रत्यक्ष कर प्रत्यक्ष इसलिए कहलाता है क्योंकि यह सीधे ही इनसे प्राप्त किया जाता है : (सही विकल्प चुनिए) *1*

(अ) उत्पादकों से उत्पादित वस्तुओं पर

(ब) विक्रेताओं से वस्तुएँ बेचने पर

(स) क्रेताओं से वस्तुएँ खरीदने पर

(द) आय कमाने वालों से

Direct tax is called direct because it is collected directly from : (Choose the correct alternative)

(a) The producers on goods produced

(b) The sellers on goods sold

(c) The buyers of goods

(d) The income earners

**20.** 'विदेशों से उधार' भुगतान संतुलन खाते में कहाँ दर्ज किया जाता है ? कारण बताइए । *3*

Where is 'borrowings from abroad' recorded in the Balance of Payments Accounts ? Give reasons.


QB365 - Question Bank Software

QB365 - Question Bank Software

**21.** यदि वास्तविक सकल देशीय उत्पाद ₹ 500 हो और कीमत सूचकांक (आधार = 100) 125 हो, तो मौद्रिक सकल देशीय उत्पाद का परिकलन कीजिए । *3*

If the Real GDP is ₹ 500 and Price Index (base = 100) is 125, calculate the Nominal GDP.

**22.** स्थिर (नियत) विनिमय दर और लचीली (नम्य) विनिमय दर से क्या अभिप्राय है ?

**अथवा**

नियंत्रित अस्थायी (प्रबंधित तिरती) विनिमय दर का अर्थ समझाइए । *3*

What are fixed and flexible exchange rates ?

**OR**

Explain the meaning of Managed Floating Exchange Rate.

**23.** एक अर्थव्यवस्था संतुलन में है । निम्नलिखित से सीमांत बचत प्रवृत्ति का परिकलन कीजिए : *4*

राष्ट्रीय आय = 1000

स्वायत्त उपभोग = 100

निवेश = 120

An economy is in equilibrium. Calculate the Marginal Propensity to Save from the following :

National Income = 1000

Autonomous Consumption = 100

Investment = 120

**24.** केन्द्रीय बैंक का "बैंकों का बैंक कार्य" समझाइए ।

**अथवा**

केन्द्रीय बैंक का "जारीकर्ता बैंक" कार्य समझाइए । *4*

Explain the "Bankers' Bank function" of the central bank.

**OR**

Explain the "Bank of Issue function" of the central bank.


QB365 - Question Bank Software

QB365 - Question Bank Software

**25.** केन्द्रीय बैंक मुद्रा जारी करता है, फिर भी हम कहते हैं कि वाणिज्य बैंक मुद्रा सृजन करते हैं । समझाइए । वाणिज्य बैंकों द्वारा इस मुद्रा सृजन का राष्ट्रीय आय पर क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है ? समझाइए । *4*

Currency is issued by the central bank, yet we say that commercial banks create money. Explain. How is this money creation by commercial banks likely to affect the national income ? Explain.

**26.** आय असमानताएँ कम करने में सरकार बजटीय नीति का कैसे प्रयोग कर सकती है ? समझाइए । *6*

Explain how the government can use the budgetary policy in reducing inequalities in incomes.

**27.** कारण बताते हुए समझाइए कि राष्ट्रीय आय का आकलन करते समय निम्नलिखित के साथ कैसा व्यवहार किया जाना चाहिए : *6*

(i) एक बैंक को एक फर्म द्वारा ब्याज भुगतान

(ii) एक व्यक्ति को एक बैंक द्वारा ब्याज भुगतान

(iii) एक बैंक को एक व्यक्ति द्वारा ब्याज भुगतान

Giving reason explain how the following should be treated in estimation of national income :

(i) Payment of interest by a firm to a bank

(ii) Payment of interest by a bank to an individual

(iii) Payment of interest by an individual to a bank

**28.** 'अभावी माँग' से क्या अभिप्राय है ? इसको दूर करने में 'बैंक दर' की भूमिका समझाइए ।

**अथवा**

'अति माँग' (अधिमाँग) से क्या अभिप्राय है ? इसको दूर करने में 'प्रति पुनर्खरीद दर' की भूमिका समझाइए । *6*

What is 'deficient demand' ? Explain the role of 'Bank Rate' in removing it.

**OR**

What is 'excess demand' ? Explain the role of 'Reverse Repo Rate' in removing it.


QB365 - Question Bank Software

QB365 - Question Bank Software

**29.** 'बाज़ार कीमत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद' तथा 'वैयक्तिक आय' का परिकलन कीजिए : *6*

| | | *(करोड़ ₹)* |
|---|---|---|
| (i) | सरकार द्वारा हस्तांतरण भुगतान | 7 |
| (ii) | सरकारी अंतिम उपभोग व्यय | 50 |
| (iii) | निवल आयात | (–) 10 |
| (iv) | निवल देशीय अचल पूँजी निर्माण | 60 |
| (v) | निजी अंतिम उपभोग व्यय | 300 |
| (vi) | निजी आय | 280 |
| (vii) | विदेशों को निवल कारक आय | (–) 5 |
| (viii) | अंतिम स्टॉक | 8 |
| (ix) | आरंभिक स्टॉक | 8 |
| (x) | मूल्यह्रास | 12 |
| (xi) | निगम कर | 60 |
| (xii) | निगमों की प्रतिधारित आय | 20 |

Calculate 'Net National Product at Market Price' and 'Personal Income' :

| | | *(₹ crores)* |
|---|---|---|
| (i) | Transfer payments by government | 7 |
| (ii) | Government final consumption expenditure | 50 |
| (iii) | Net imports | (–) 10 |
| (iv) | Net domestic fixed capital formation | 60 |
| (v) | Private final consumption expenditure | 300 |
| (vi) | Private income | 280 |
| (vii) | Net factor income to abroad | (–) 5 |
| (viii) | Closing stock | 8 |
| (ix) | Opening stock | 8 |
| (x) | Depreciation | 12 |
| (xi) | Corporate tax | 60 |
| (xii) | Retained earnings of corporations | 20 |


QB365 - Question Bank Software

# SENIOR SCHOOL CERTIFICATE EXAMINATION
## MARCH-2015

## MARKING SCHEME – ECONOMICS (OUTSIDE DELHI)
## (SET-II)
### Expected Answers / Value Points

**GENERAL INSTRUCTIONS :**

1. Please examine each part of a question carefully and allocate the marks allotted for the part as given in the marking scheme below. TOTAL MARKS FOR ANY ANSWER MAY BE PUT IN A CIRCLE ON THE LEFT SIDE WHERE THE ANSWER ENDS.
2. Expected suggested answers have been given in the Marking Scheme. To evaluate the answers the value points indicated in the marking scheme be followed.
3. For questions asking the candidate to explain or define, the detailed explanations and definitions have been indicated alongwith the value points.
4. For mere arithmetical errors, there should be minimal deduction. Only ½ mark be deducted for such an error.
5. Wherever only two / three or a "given" number of examples / factors / points are expected only the first two / three or expected number should be read. The rest are irrelevant and must not be examined.
6. There should be no effort at "moderation" of the marks by the evaluating teachers. The actual total marks obtained by the candidate may be of no concern to the evaluators.
7. Higher order thinking ability questions are assessing student's understanding / analytical ability.

*General Note* : In case of numerical question no mark is to be given if only the final answer is given.

| B2 | Expected Answer / Value Points | Distribution of Marks |
|---|---|---|
| 1 | **(b)** Downward sloping concave. | 1 |
| 2 | Budget line is the locus of points that represent such bundles of only two goods the consumer consumes on which consumer's expenditure is exactly equal to consumer's income. | 1 |
| 3 | **(b)** Complements | 1 |
| 4 | The measure of price elasticity of demand has a minus sign because there is inverse relation between price and demand of a normal good, while the measure of price elasticity of supply has plus sign because there is direct relation between price and supply of a good. | 3 |



QB365 - Question Bank Software

**5**

| Good X (Units) | Good Y (Units) | MRT |
|---|---|---|
| 0 | 16 | - |
| 1 | 12 | 4Y:1X |
| 2 | 8 | 4Y:1X |
| 3 | 4 | 4Y:1X |
| 4 | 0 | 4Y:1X |

**1½**

Since MRT is constant, PP curve will be downward sloping straight line. **1½**

**(Diagram not required)**

**6**

'Make in India' appeal signifies invitation to foreign producers to produce in India. This will lead to increase in resources thus raising production potential of the country. As a result PP curve will shift upwards. **3**

**(Diagram not required)**

**OR**

Reducing unemployment has no effect on the production potential of the country. It is because production potential is determined assuming full employment.

Unemployment indicated that the country is operating below potential. Reducing unemployment simply helps in reaching potential. **3**

**(Diagram not required)**

**7**

When government imposes lower limit on a price that may be charged for a particular good or service, it is called minimum price ceiling e.g. price $OP_1$. At this price the producers are willing to supply $P_1B$ or ($OQ_2$) While consumers demand only $P_1A$ (=$OQ_1$). Unable to sell all they want to sell, the producers may try to illegally sell below the minimum price. (Answer based on minimum wages is also correct) **2**

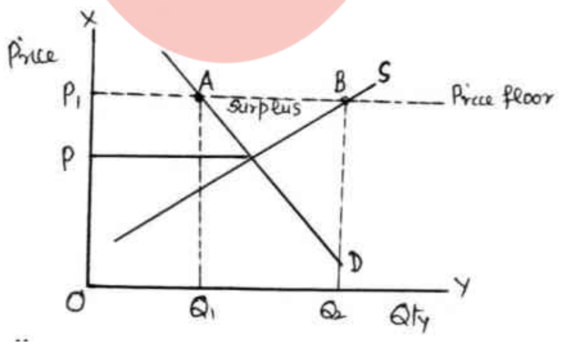


**1**

<u>**For blind Candidates Only :**</u>

When government imposes a lower limit on a price that may be charged by the producers of a good or service, it is called price floor. **1**

Since this price is above the equilibrium price, at this price producers are willing to supply more but the buyers are willing to buy less. This creates surplus in the market. Due to this producers may adopt illegal ways and sell the product or service at a lower price. **2**

| | | |
|---|---|---|
| **8** | Non-Price competition means competition between firms on the basis of methods other than price. Firms try to avoid price competition for the fear of price-war. They use other methods like advertising, better services to customers. etc to compete with each other. | **3** |
| **9** | **(a)** AFC falls continuously as more and more output is produced.<br>**(b)** AVC falls initially and after a level of output, starts rising as more and more output is produced.<br>**OR**<br>Average revenue equals Total Revenue divided by the output produced.<br>$TR = P \times Q$<br>$AR = \frac{TR}{Q}$<br>And $AR = \frac{P \times Q}{Q} = P$ | **2**<br>**2**<br><br><br>**1**<br><br>**3** |
| **10** | **Price** **Exp.** **Demand**<br>4 100 25<br>3 75 25<br>$E_p = \frac{P}{Q} \times \frac{\Delta Q}{\Delta P}$<br>$= \frac{4}{25} \times \frac{0}{-1}$<br>$= 0$<br>**(No marks if only the final answer is given)** | **1½**<br><br>**1**<br>**1**<br>**½** |
| **11** | - Given equilibrium, supply 'increases.'<br>- Price remaining unchanged, excess supply emerges.<br>- Excess supply leads to competition among sellers causing price to fall.<br>- Fall in price causes rise (expansion) in demand and fall (contraction) in supply.<br>- These changes continue till the market is in equilibrium again at a lower price<br>**(Diagram not required)** | **6** |
| **12** | The equilibrium conditions are : **(i)** MC = MR and **(ii)** MC > MR after equilibrium<br>**Suppose MC = MR condition is not met.** Let MC > MR. In this it will l be profitable for the firm to produce more or less depending upon the relative changes in MC and MR till MC = MR. Similarly, if MC < MR it will also be profitable to produce more till MC = MR.<br>**Now Suppose 'MC > MR after equilibrium condition is not met'** and MC < MR after equilibrium. In this case the firm will not be in equilibrium, because it can increase its profits by producing more.<br>**(Diagram not required)** | **3**<br><br>**3** |

TM QB365 QUESTION BANK 365

**13**

**The Phases are :**

**Phase : I** MP rises upto A

**Phase : II** MP falls but is positive i.e. between A and B.

**Phase : III** MP falls and is negative i.e. after B

**1½**

**Reasons**

**Phase I :** Initially variable input is too small as compared to the fixed input, As production is increased there is specialization of variable inputs and efficient use of the fixed input leading to rise in productivity of the variable input. As a result MP rises.

**Phase II :** After a level of output a pressure on fixed input leads to fall in productivity of the variable input. MP starts falling but remains positive.

**Phase III :** The amount of variable input becomes too large in comparison to the fixed input causing decline in total product. MP becomes negative

**3**

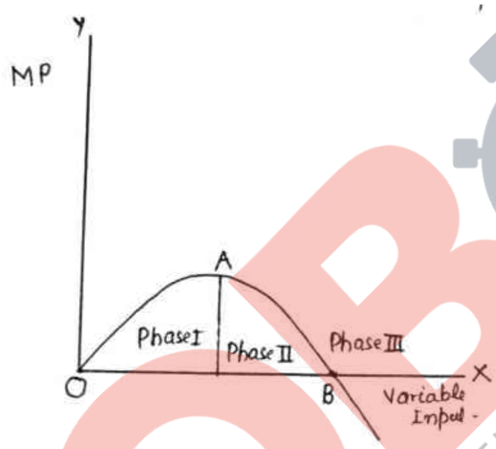


**1½**

**<u>For blind Candidates Only :</u>**

| Variable input (Units) | TP (Unit) | MP (Unit) |
|---|---|---|
| 1 | 6 | 6 |
| 2 | 20 | 14 |
| 3 | 32 | 12 |
| 4 | 40 | 8 |
| 5 | 40 | 0 |
| 6 | 37 | -3 |

**1½**

**Phases :**

**(1)** TP increases at increasing rate upto 2 units.
**(2)** TP increases at decreasing rate upto 5 units.
**(3)** TP falls from 6 unit onwards.

**½x3**

**Causes :**

**Same as above**

**3**

| | | |
|---|---|---|
| **14** | Given Px = 2 , Py = 2 and MRS = 2, A consumer is said to be in equilibrium when<br>MRS = $\frac{P_x}{P_y}$<br>Substituting the values we find that<br>2 > $\frac{2}{2}$<br>i.e. MRS > $\frac{P_x}{P_y}$<br>Therefore, consumer is not in equilibrium.<br>MRS > $\frac{P_x}{P_y}$ means that consumer is willing to pay more for one more unit of X as compared to what the market demands. The consumer will buy more and more of X. As a result MRS will fall due to the Law of Diminishing Marginal Utility. This will continue till MRS = $\frac{P_x}{P_y}$ and consumer is in equilibrium.<br>**(Diagram not required)**<br>**OR**<br>Given $P_x$ = 5 , $P_y$ = 4 and $MU_x$=4 , $MU_y = 5$, the consumer will be in equilibrium when<br>$\frac{MU_x}{P_x} = \frac{MU_y}{P_y}$<br>Substituting values, we find that<br>$\frac{4}{5}$ < $\frac{5}{4}$ Or $\frac{MU_x}{P_x} < \frac{MU_y}{P_y}$<br>The consumer is not in equilibrium.<br>Since per rupee $MU_x$ is lower than per rupee $MU_y$ , the consumer will buy less of $x$ and more of $y$. As a result due to Law of Diminishing Marginal Utility, $MU_x$ will rise and $MU_y$ will fall till<br>$\frac{MU_x}{P_x} = \frac{MU_y}{P_y}$ **(Diagram not required)** | **3**<br>**3**<br>**3**<br>**3** |
| | **SECTION - B** | |
| **15** | **(d)** Fiscal deficit *Minus* interest payment | **1** |
| **16** | Value of final products the buyers are planning to buy during a given period at a given level of income. | **1** |
| **17** | **(d)** infinity | **1** |
| **18** | **(b)** to fall | **1** |
| **19** | **(d)** the income earners | **1** |
| **20** | 'Borrowings from abroad' is recorded in the 'capital account' of BOP account because it increases international liability of the country.<br>It is recorded on the credits side because it brings in foreign exchange into the country. | **1½**<br>**1½** |



QB365 - Question Bank Software

| | | |
|---|---|---|
| 21 | $Real\ GDP = \frac{Nominal\ GDP}{Price\ Index} \times 100$<br>$500 = \frac{Nominal\ GDP}{125} \times 100$<br>$Nominal\ GDP = \frac{500 \times 125}{100}$<br>$= Rs. 625$<br>**(No marks if only the final answer is given)** | 1½<br>1<br>½ |
| 22 | Fixed Exchange Rate is the exchange rate fixed by the government / central bank and is not influenced by the demand and supply of foreign exchange.<br>Flexible exchange rate is the exchange rate determined by the forces of demand and supply of foreign exchange in the market and is influenced by the market forces.<br>**OR**<br>Managed floating exchange rate is the flexible exchange rate with intervention by the central bank through the market for foreign exchange to reduce fluctuations in the rate. When foreign exchange rate is too high, the central bank starts selling the foreign currency from its reserves. When it is too low central bank starts buying foreign currency in the market. | 1½<br>1½<br>3 |
| 23 | $Y = \bar{C} + MPC(Y) + I$<br>$1000 = 100 + MPC(1000) + 120$<br>$MPC = \frac{1000 - 100 - 120}{1000} = 0.78$<br>$MPS = 1 - MPC = 0.22$<br>**(No marks if only the final answer is given)** | 1½<br>1<br>1<br>½ |
| 24 | As the banker to the banks, the Central Bank holds a part of the cash reserves of commercial banks. From these reserves it lends to commercial banks when they are in need of funds. Central bank also provides cheque clearing and remittance facilities to the commercial banks.<br>**OR**<br>The central bank is the sole authority for the issue of currency in the country. It promotes efficiency in the financial system. It leads to uniformity in the issue of currency, and it gives Central Bank control over money supply. | 4<br>4 |
| 25 | Money supply has two components: Currency and demand deposits with commercial banks. Currency is issued by the central bank while deposits are created by commercial banks by lending money to the people. In this way commercial banks also create money.<br>Commercial banks lend money mainly to investors. The rise in investment in the economy leads to rise in national income through the multiplier effect. | 2<br>2 |

| | | |
|---|---|---|
| 26 | Government can reduce inequalities through its tax and expenditure policy. Government can charge higher rate of tax from higher income groups by imposing higher rate of income tax and higher rate on goods and services purchased by the rich. The money so collected can be spent on the poor in the form of free education, free medical facilities, cheaper housing etc. in order to raise their disposable income. | 6 |
| 27 | **(i)** Payment of interest by a firm to bank is treated as a factor payment by the firm because the firm borrows money for carrying out production and therefore included in national income.<br>**(ii)** Payment of interest by bank to an individual is a factor payment because bank borrows for carrying out banking services and therefore included in national income.<br>**(iii)** Payment of interest by an individual to bank is not included in national income because the individual borrows for consumption and not for production.<br>**(No marks if reason is not given)** | 2<br>2<br>2 |
| 28 | **Deficient Demand:** is the amount by which the aggregated demand falls short of aggregate supply at full employment level. It causes fall in price level.<br>**Bank Rate:** is the rate of interest at which central bank lends to commercial banks for long term. The central bank can reduce deficient demand by lowering Bank Rate. When central bank lowers bank rate. Commercial banks also lower their lending rates. Since borrowing becomes cheaper, people borrow more. This leads to rise in aggregate demand and thus helps in reducing deficient demand.<br>**OR**<br>**Excess Demand:** is the amount by which the aggregated demand exceeds aggregate supply at full employment level. It causes inflation.<br>**Reverse Repo Rate:** is the rate of interest paid by the central bank on deposits by commercial banks. Central Bank can reduce excess demand by raising the Reverse Repo Rate. When the rate is raised, it encourages the commercial banks to park their funds with the central bank. This reduces lending capacity of the commercial banks. Lending by the commercial banks to public declines leading to fall in aggregate demand. | 2<br>4<br>2<br>4 |
| 29 | $NNP_{mp} = v + ii + (iv + viii - ix) - iii - vii$<br>$= 300 + 50 + 60 + 8 - 8 - (-10) - (-5)$<br>$= Rs.$ 425 Crore<br>$Personal\ Income = vi - xi - xii$<br>$= 280 - 60 - 20$<br>$= Rs.$ 200 Crore<br>**(No marks if only the final answer is given)** | 1½<br>1<br>½<br>1½<br>1<br>½ |

QB365 - Question Bank Software



1. (ब) नीचे की ओर ढलवां अवतल 1

2. बजट रेखा एक ऐसी रेखा है जिस पर विभिन्न बिन्दु दो वस्तुओं के ऐसे बण्डल दर्शाते हैं जिन पर उपभोक्ता का व्यय उसकी आय के बराबर होता है। 1

3 (ब) पूरक 1

4. सामान्य वस्तु की कीमत और माँग में विपरीत सम्बन्ध होने के कारण ~~माँग~~ माँग की कीमत लोच के माप में ऋणात्मक चिन्ह होता है जबकि पूर्ति की कीमत लोच के माप में धनात्मक चिन्ह होता है क्योंकि वस्तु की कीमत और पूर्ति में प्रत्यक्ष सम्बन्ध होता है। 3

5.

| X वस्तु (इ.) | Y वस्तु (इ.) | सीमान्त रूपान्तरण दर |
|---|---|---|
| 0 | 16 | |
| 1 | 12 | 4Y : 1X |
| 2 | 8 | 4Y : 1X |
| 3 | 4 | 4Y : 1X |
| 4 | 0 | 4Y : 1X |

$1\frac{1}{2}$

क्योंकि सीमान्त रूपान्तरण दर स्थिर है इसलिए उत्पादन संभावना वक्र नीचे की ओर ढलवां सीधी रेखा होगी। $1\frac{1}{2}$

(रेखाचित्र आवश्यक नहीं है)

QB365 - Question Bank Software

6. 'भारत में बनाइए' की अपील विदेशी उत्पादकों को भारत में उत्पादन करने का निमंत्रण है। इससे संसाधन बढ़ेंगे जिससे देश की उत्पादन क्षमता बढ़ेगी। परिणामस्वरूप उत्पादन संभावना वक्र ऊपर की ओर खिसक जाएगी। (रेखाचित्र आवश्यक नहीं है) 3

(अथवा)

बेरोजगारी कम करने का देश का उत्पादन क्षमता पर कोई प्रभाव नहीं होता क्योंकि उत्पादन क्षमता पूर्ण रोजगार की मान्यता पर निर्धारित की जाती है

बेरोजगारी यह दर्शाती है कि देश में उत्पादन क्षमता से कम पर उत्पादन हो रहा है। बेरोजगारी कम करने से उत्पादन क्षमता पर काम करने में सहायता मिलती है। 3

(रेखाचित्र आवश्यक नहीं है)

7. जब सरकार किसी वस्तु की न्यूनतम कीमत निर्धारित करती है तो न्यूनतम कीमत निर्धारण करते हैं जैसा कि रेखाचित्र में कीमत $OP_1$ है।

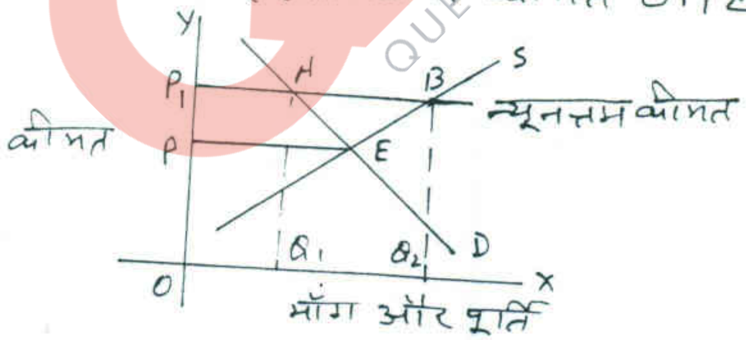


1

इस कीमत पर उत्पादक $P_1B$ (या $OQ_2$) मात्रा सप्लाई करने को तैयार जबकि उपभोक्ताओं की माँग केवल $P_1A$ (या $OQ_1$) है। अतः $AB$ (या $Q_1Q_2$) मात्रा पूर्ति आधिक्य है। इस स्थिति में उत्पादक न्यूनतम कीमत से कम पर बेचने की गैरकानूनी कोशिश कर सकते हैं। 2

(न्यूनतम मजदूरी दर पर आधारित उत्तर भी सही है।)

QB365 - Question Bank Software

केवल दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए:

जब सरकार किसी वस्तु की कीमत पर नीची सीमा लगाती है तो इसे न्यूनतम कीमत कहते हैं। 1

क्योंकि यह कीमत संतुलन कीमत से अधिक है, इस कीमत पर क्रेता जितनी मात्रा खरीदना चाहते हैं, उत्पादक इससे अधिक मात्रा सप्लाई करना चाहते हैं। इससे पूर्ति आधिक्य की स्थिति उत्पन्न होती है। इस स्थिति में उत्पादक गैरकानूनी तरीकों से कम कीमत पर वस्तु बेच सकते हैं। 2

QB365 - Question Bank Software

QB365 - Question Bank Software

8 गैर-कीमत प्रतियोगिता का अर्थ है कीमत के अलावा अन्य तरीकों से प्रतियोगिता करना। कीमत युद्ध की स्थिति के डर से फर्म कीमत प्रतियोगिता से बचती है। वे अन्य तरीके प्रयोग करती हैं जैसे कि विज्ञापन, बेहतर ग्राहक सेवा आदि। 3

9 (अ) जैसे जैसे अधिकाधिक उत्पादन किया जाता है औसत अचल लागत घटती है। 2

(ब) औसत परिवर्ती लागत शुरू में घटती है और उत्पादन के एक स्तर के बाद बढ़ने लगती है। 2

(अथवा)

$$\text{औसत सम्प्राप्ति} = \frac{\text{कुल सम्प्राप्ति}}{\text{कुल उत्पादन}}$$ 1

$$\text{कुल सम्प्राप्ति} = \text{कीमत} \times \text{उत्पादन}$$

$$\therefore \text{औसत सम्प्राप्ति} = \frac{\text{कीमत} \times \text{उत्पादन}}{\text{उत्पादन}} = \text{कीमत}$$ 3

10

| कीमत | व्यय | माँग |
|---|---|---|
| 4 | 100 | 25 |
| 3 | 75 | 25 |

1½

$$\text{माँग की लोच} = \frac{\text{कीमत}}{\text{माँग}} \times \frac{\text{माँग में परिवर्तन}}{\text{कीमत में परिवर्तन}}$$ 1

$$= \frac{4}{25} \times \frac{0}{-1}$$ 1

$$= 0$$ ½

QB365 - Question Bank Software

QB365 - Question Bank Software

11 दी हुई कीमत पर पूर्ति के बढ़ने का अर्थ है पूर्ति आधिक्य इससे विक्रेताओं में प्रतियोगिता होगी जिससे कीमत ~~बढ़ेगी~~ घटेगी।
कीमत के घटने से माँग बढ़ेगी और पूर्ति घटेगी
बाजार में ये परिवर्तन तब तक होते रहेंगे जब तक बाजार फिर से संतुलन की स्थिति में न आ जाए। 6

12 उत्पादक के संतुलन की दो शर्तें हैं।

(i) सी. लागत = सी. सम्प्राप्ति

(ii) संतुलन के बाद सी. लागत > सी. सम्प्राप्ति

मान लीजिए सी. लागत > सी. सम्प्राप्ति। ऐसी स्थिति में फर्म के लिए उत्पादन घटाना या बढ़ाना लाभप्रद होगा। मान लीजिए सी. लागत < सी. सम्प्राप्ति, ऐसी स्थिति में फर्म के लिए अधिक उत्पादन करना लाभप्रद होगा। फर्म उतना उत्पादन करेगी जिस पर सी. लागत = सी. सम्प्राप्ति।
सीमान्त लागत और सीमान्त सम्प्राप्ति का बराबर होना उत्पादक के संतुलन के लिए पर्याप्त शर्त नहीं है। मान लीजिए सी. लागत और सीमान्त सम्प्राप्ति बराबर हैं लेकिन एक और इकाई का उत्पादन करने पर सीमान्त लागत, सीमान्त सम्प्राप्ति से कम हो जाती है। ऐसी स्थिति में अधिक उत्पादन करना लाभप्रद है यानि उत्पादक संतुलन की स्थिति में नहीं है। यदि सीमान्त लागत और सीमान्त सम्प्राप्ति की समानता उत्पादन के ऐसे स्तर पर हो जिसके बाद सीमान्त लागत सीमान्त सम्प्राप्ति से अधिक हो तो उत्पादक केवल उतना ही उत्पादन करके संतुलन की स्थिति में होगा जिस पर सीमान्त लागत और सीमान्त सम्प्राप्ति बराबर हैं।

(रेखाचित्र आवश्यक नहीं है)

QB365 - Question Bank Software

QB365 - Question Bank Software

13.

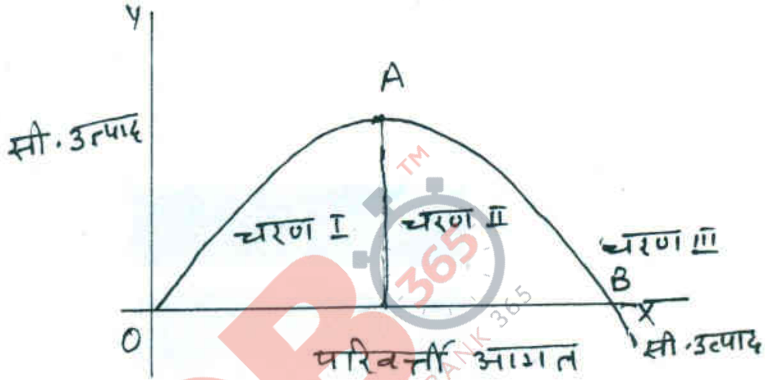


1½

चरण I : सीमान्त उत्पाद A बिन्दु तक बढ़ता है।

चरण II : A और B के बीच सीमान्त उत्पाद घटता है लेकिन धनात्मक है। 1½

चरण III : सीमान्त उत्पाद घटता है और ऋणात्मक होता है B के बाद।

QB365 - Question Bank Software

QB365 - Question Bank Software

कारण :

चरण I : शुरू में स्थिर आगत की तुलना में परिवर्त्ती आगत की मात्रा बहुत कम होती है। जैसे ही उत्पादन बढ़ाया जाता है परिवर्त्ती आगत का विशिष्टीकरण और स्थिर आगत का ~~कुल~~ कुशल उपयोग होने लगता है। इससे उत्पादिता बढ़ती है और सीमान्त उत्पाद बढ़ता है।

चरण II : उत्पादन के कुछ स्तर के पश्चात स्थिर आगत पर दबाव बढ़ने लगता है जिससे उत्पादिता घटती है। सीमान्त उत्पाद घटने लगता है लेकिन धनात्मक रहता है।

चरण III : स्थिर आगत की तुलना में परिवर्त्ती आगत की मात्रा बहुत अधिक हो जाती है जिससे कुल उत्पाद घटने लगता है। सीमान्त उत्पाद घटता है और ऋणात्मक हो जाता है। 3

इष्टीहीन परिक्षार्थियों के लिए

| परिवर्त्ती आगत (इकाई) | कुल उत्पाद | सीमान्त उत्पाद (इकाई) | |
|---|---|---|---|
| 1 | 6 | 6 | चरण I |
| 2 | 20 | 14 | |
| 3 | 32 | 12 | चरण II |
| 4 | 40 | 8 | |
| 5 | 40 | 0 | |
| 6 | 37 | -3 | चरण III |

1½

चरण : (1) 2 इकाई तक कुल उत्पाद बढ़ती दर से बढ़ता है।
(2) 5 इकाई तक कुल उत्पाद घटती दर से बढ़ता है। 1½
(3) 6 इकाई से आगे कुल उत्पाद घटता है।

कारण [illegible] है। 3

QB365 - Question Bank Software

14. कीमत$_x$ = 2 रु., कीमत$_y$ = 2 रु. सीमान्त प्रतिस्थापन दर = 2

उपभोक्ता के सन्तुलन की स्थिति में:

$$\text{सी. प्र. दर} = \frac{\text{कीमत}_x}{\text{कीमत}_y}$$

दिए हुए मूल्यों के आधार पर;

$$\text{सी. प्र. दर} > \frac{\text{कीमत}_x}{\text{कीमत}_y} \quad \text{क्योंकि } 2 > \frac{2}{2}$$ 3

अत: उपभोक्ता संतुलन की स्थिति में नहीं है। सी. प्र. दर के x और y की कीमतों के अनुपात से अधिक होने का अर्थ है कि उपभोक्ता x की एक और इकाई के लिए बाजार से अधिक कीमत देने को तैयार है। अत: उपभोक्ता x की अधिक इकाईयां खरीदना शुरू कर देगा। ऐसा करने पर ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता नियम के कारण सीमान्त प्रतिस्थापन दर घट जाएगी। ऐसा तब तक होता रहेगा जब तक की सीमान्त प्रतिस्थापन दर x और y की कीमतों के अनुपात के बराबर न हो जाए। 3

इनके बराबर होने पर उपभोक्ता संतुलन की स्थिति में होगा।

अथवा

कीमत$_x$ = 5, कीमत$_y$ = 4 और सी.उ.$_x$ = 4 सी.उ.$_y$ = 5

उपभोक्ता के संतुलन की शर्त है: $\frac{\text{सी.उ.}_x}{\text{कीमत}_x} = \frac{\text{सी.उ.}_y}{\text{कीमत}_y}$

प्रश्न में दिए मूल्यों के अनुसार:

$$\frac{\text{सी.उ.}_x}{\text{कीमत}_x} < \frac{\text{सी.उ.}_y}{\text{कीमत}_y} \quad \text{क्योंकि } \frac{4}{5} < \frac{5}{4}$$ 3

QB365 - Question Bank Software

उपभोक्ता संतुलन की स्थिति में नहीं है क्योंकि x की प्रति रु. सी.उ. y की प्रति रु. सी.उ. से कम है इसलिए उपभोक्ता x की कम मात्रा खरीदेगा और y की अधिक मात्रा खरीदेगा। परिणामस्वरूप ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता नियम के कारण सी.उ.x बढ़ेगी और सी.उ.y घटेगी और अन्त में

$\frac{\text{सी.उ.x}}{\text{कीमत x}}$ और $\frac{\text{सी.उ.y}}{\text{कीमत y}}$ बराबर हो जाएँगे। 3

खण्ड - ब

15. (द) राजकोषीय घाटा – ब्याज भुगतान 1

16 अन्तिम उत्पादों का मूल्य जिन्हें क्रेता एक निश्चित अवधि में निश्चित आय के स्तर पर खरीदने की योजना बनाते हैं समग्र माँग कहलाता है। 1

17 (द) अनन्त 1

18. (ब) में कमी आने की संभावना होती है। 1

19 (द) आय कमाने वालों से। 1

20 विदेशों से उधार, भुगतान संतुलन खाते के पूँजीगत खाते में दर्ज किया जाता है क्योंकि इससे देश की अन्तर्राष्ट्रीय देनदारी बढ़ती है। 1½

इसे जमा पक्ष की ओर दर्ज किया जाता है क्योंकि इससे देश में विदेशी विनिमय आता है 1½

QB365 - Question Bank Software

QB365 - Question Bank Software

21. $$\text{वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद} = \frac{\text{मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद}}{\text{औसत सूचकांक}} \times 100$$ 1½

$$500 = \frac{\text{मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद}}{125} \times 100$$ 1

$$\text{मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद} = \frac{500 \times 125}{100} = 625$$ ½

22. स्थिर विनिमय दर वह विनिमय दर है जो सरकार/केन्द्रीय बैंक द्वारा निर्धारित की जाती है और विदेशी विनिमय की माँग और पूर्ति से प्रभावित नहीं होती। 1½

लचीली विनिमय दर वह विनिमय दर है जो बाजार में विदेशी विनिमय की माँग और पूर्ति की शक्तियों द्वारा निर्धारित होती है और बाजार की शक्तियों से प्रभावित होती है। 1½

अथवा

नियंत्रित अस्थायी विनिमय दर लचीली विनिमय दर है जिसके उतार चढ़ाव को कम करने के लिए केन्द्रीय बैंक विदेशी विनिमय बाजार के जरिये हस्तक्षेप करता है। जब विदेशी विनिमय दर बहुत ऊँची होती है तो केन्द्रीय बैंक अपने कोष से विदेशी मुद्रा बेचना शुरू कर देता है। जब यह बहुत नीची होती है केन्द्रीय बैंक बाजार में विदेशी मुद्रा खरीदना शुरू कर देता है। 3

23. रा. आय = स्वायत्त उपभोग + सी.उ.प्र.(राष्ट्रीय आय) + निवेश 1½

$$1000 = 100 + \text{सी.उ.प्र.}(1000) + 120$$ 1

$$\text{सी.उ.प्र.} = \frac{1000 - 100 - 120}{1000} = 0.78$$ 1

$$\text{सी. बचत प्र.} = 1 - 0.78 = 0.22$$ ½

QB365 - Question Bank Software

24. बैंकों के बैंक के रूप में केन्द्रीय बैंक वाणिज्य बैंकों की आरक्षित नकदी के एक भाग को अपने पास रखता है। इससे वह बैंकों को आवश्यकता पड़ने पर उधार देता है। केन्द्रीय बैंक वाणिज्य बैंकों को समाशोधन और अंतरण सुविधाएँ भी प्रदान करता है। 3

(अथवा)

देश में करेंसी जारी करने का अधिकार केवल केन्द्रीय बैंक को होता है। इससे वित्तीय प्रणाली में कुशलता बढ़ती है। इससें करेंसी संचालन में एकरूपता आती है और मुद्रा पूर्ति पर केन्द्रीय बैंक का नियंत्रण हो जाता है। 3

25 मुद्रा पूर्ति के दो घटक होते हैं: करेंसी और वाणिज्य बैंकों में जमाएँ करेंसी केन्द्रीय बैंक जारी करता है जबकि जमाओं का निर्माण वाणिज्य बैंक ऋण देकर करता है। 2

वाणिज्य बैंक मुख्यतया निवेशकों को ऋण देते हैं। निवेश में वृद्धि से गुणक प्रक्रिया द्वारा राष्ट्रीय आय बढ़ती है। 2

26 सरकार अपनी कर और व्यय नीति द्वारा आय की असमानताएँ कम कर सकती है। ऊँची आय वालों से ऊँची दर पर कर ले सकती है और उनके द्वारा प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं पर अधिक कर लगा सकती है। इससे प्राप्त होने वाली राशी को गरीबों को सुविधाएँ प्रदान करने पर खर्च किया जा सकता है जैसे कि उनके बच्चों को निःशुल्क शिक्षा, निशुल्क चिकित्सा, सस्ते मकान आदि। इससे उनकी प्रयोज्य आय बढ़ेगी। 6

| | | |
|---|---|---|
| 27. | (i) एक फर्म द्वारा बैंक को ब्याज का भुगतान फर्म द्वारा एक कारक भुगतान माना जाता है क्योंकि फर्म उत्पादन के लिए ऋण लेती है। इसलिए इसे राष्ट्रीय आय में शामिल करते हैं। | 2 |
| | (ii) बैंक द्वारा एक व्यक्ति को ब्याज का भुगतान एक कारक भुगतान है क्योंकि बैंक बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करने के लिए ऋण लेते हैं। इसलिए इसे राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाता है। | 2 |
| | (iii) एक व्यक्ति द्वारा बैंक को ब्याज का भुगतान राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाता क्योंकि व्यक्ति उपभोग के लिए ऋण लेता है उत्पादन के लिए नहीं। | 2 |
| | (यदि कारण नहीं दिए हैं तो कोई अंक न दें) | |

QB365 - Question Bank Software

18 **अभावी माँग** : पूर्ण रोजगार के स्तर पर जब समग्र माँग समग्र पूर्ति से कम होती है तो इस अन्तर को अभावी माँग कहते हैं। इससे कीमतें कम होती हैं। 2

बैंक दर वह दर है जिस पर केन्द्रीय बैंक वाणिज्य बैंकों को दीर्घकाल के लिए ऋण देता है। केन्द्रीय बैंक ~~ब्याज~~ बैंक दर घटाकर अभावी माँग को कम कर सकता है। जब केन्द्रीय बैंक इस दर को घटाता है तो वाणिज्य बैंक भी जिस दर पर उधार देते हैं उसे घटा देते हैं। इससे ऋण लेना सस्ता हो जाता है और लोग ज्यादा ऋण लेते हैं। इससे समग्र माँग बढ़ती है और इस प्रकार अभावी माँग कम करने में सहायता मिलती है। 4

अथवा

**अति माँग** : जब पूर्ण रोजगार के स्तर पर समग्र माँग समग्र पूर्ति से अधिक होती है तो इस अन्तर को अति माँग कहते हैं। इससे कीमतें बढ़ती हैं। 2

**प्रति पुनर्खरीद दर** वह ब्याज दर है जो केन्द्रीय बैंक वाणिज्य बैंकों द्वारा की गई जमाओं पर देता है। प्रति पुनरखरीद दर बढ़ाकर अति माँग को केन्द्रीय बैंक कम कर सकता है। इसके बढ़ने से वाणिज्य बैंक केन्द्रीय बैंक में जमाएँ बढ़ाने के लिए उत्साहित होंगे। इससे उनकी ऋण देने की सामर्थ्य कम हो जाएगी। वाणिज्य बैंकों द्वारा कम ऋण दिए जाने से समग्र माँग घटेगी। 4

QB365 - Question Bank Software

| | | |
|---|---|---|
| 29. | बाजार कीमत पर निवल रा. उ. = v + ii + (iv + viii − ix) − iii − vii | 1½ |
| | = 300 + 50 + 60 + 8 − 8 − (−10) − (−5) | 1 |
| | = 425 करोड़ रु. | ½ |
| | व्यैक्तिक आय = vi − xi − xii | 1½ |
| | = 280 − 60 − 20 | 1 |
| | = 200 करोड़ रु. | ½ |